

कारबन पेपर पुं. (अं.) वह गहरे काले या नीले रंग का कागज जिसे कागज के नीचे लगा देते हैं, तथा जिस पर लिखते या टाइप करते हैं, इस प्रकार उसके माध्यम से लेख की प्रतिलिपि भी साथ साथ तैयार होती जाती है।

कारबार पुं. (फा.) कामकाज, व्यापार, पेशा।

कारबारी वि. (फा.) कामकाजी।

कारबोलिक पुं. (अं.) एक सार पदार्थ जो (पत्थर के) कोयले के तेल या अलकतरे से निकाला जाता है, यह घाव या फोड़े फुंसियों पर कीड़ों को मारने या दूर रखने के लिए लगाया जाता है।

कारयिता पुं. (तत्.) सृष्टि करनेवाला, (कार्य) करानेवाला।

कारयित्री वि. (तत्.) 1. रचना करने वाली स्त्री 2. प्रेरक शक्ति, वह आंतरिक शक्ति जो रचना के लिए प्रेरित करे।

काररवाई स्त्री. (फा.) 1. काम, कृत्य जैसे- अधिकारी ने आपके प्रार्थना पत्र पर कोई काररवाई नहीं की 2. कार्यतत्परता, कर्मण्यता।

कारवाँ पुं. (फा.) यात्रियों का झुंड जो एक देश से दूसरे देश की यात्रा करता हो।

कारवाँ सराय पुं. (फा.) यात्रियों के रहने का स्थान।

कारस्तानी स्त्री. (फा.) 1. कैद, बंधन 2. पीड़ा, कलेश छिपाकर किया गया काम 3. दूती 4. सोनारिन।

कारागार पुं. (तत्.) बंदीगृह, कैदखाना।

कारागारिक पुं. (तत्.) दे. कारापाल, कारागार संबंधी।

कारागृह पुं. (तत्.) कैदखाना, बंदीगृह।

कारापाल पुं. (तत्.) कारागारिक, बंदीगृह का रक्षक, या अधिकारी, जेलर।

कारारुद्ध पुं. (तत्.) कैद में डाला गया, बंदी।

कारावास पुं. (तत्.) कैद, कैदी को बंदीगृह में रहने का दंड।

कारावासी पुं. (तत्.) कैदी, बंदी।

कारिंदा पुं. (फा.) दूसरे की ओर से काम करनेवाला, कर्मचारी, गुमाश्ता।

कारिका स्त्री. (तत्.) 1. किसी सूत्र की श्लोकबद्ध व्याख्या 2. किसी सूत्र का श्लोकबद्ध विवरण 3. नाटक करनेवाले नट की स्त्री 4. संकीर्ण राग का एक भेद (संगीत) 5. पीड़ा देना, उत्पीड़न 6. व्याज, सूद 7. व्यापार, वाणिज्य।

कारिख स्त्री. (तत्.) 1. कलौंछ, स्याही, कालिमा 2. काजल 3. कलंक, दोष।

कारिणी वि. (स्त्री.) (समास के अंत में लगने वाले शब्द) करनेवाली जैसे- हितकारिणी, कार्यकारिणी।

कारित वि. (तत्.) कराया हुआ।

कारिस्तानी स्त्री. (फा.) गुप्त कार्य।

कारी वि. (तत्.) (समास के अंत में लगने वाले शब्द) करनेवाला, बनानेवाला जैसे- गुणकारी, हितकारी।

कारीगर पुं. (फा.) हाथ से अच्छी-अच्छी वस्तु बनानेवाला आदमी, धातु, लकड़ी, पत्थर आदि से विशाल और सुंदर वस्तुओं की रचना करनेवाला पुरुष, दस्तकार, शिल्पकार टि. हाथ से निर्माण करने में कुशल, निपुण, हुनरमंद।

कारीगरी स्त्री. (फा.) 1. अच्छी-अच्छी वस्तु बनाने की कला, निर्माणकला 2. सुंदर बना हुआ काम, मनोहर रचना उदा. कारीगरी के क्षेत्र में उसका कोई जवाब ही नहीं है।

कारु वि. (तत्.) शिल्पी, कारीगर, दस्तकार 1. करनेवाला, बनानेवाला 2. कलावस्तु बनानेवाला, कला का रचयिता 3. यंत्र बनानेवाला 4. भीषण, भयंकर 5. विश्वकर्मा, शिल्प।

कारुक पुं. (तत्.) 1. शिल्पी, कारीगर 2. कलाकार 3. बुनकर, जुलाहा।

कारुण्य पुं. (तत्.) 1. करुण का भाव 2. वह गुण जो दूसरे के मन में करुणा उत्पन्न करे 3. दया, मेहरबानी।